DM inaugurates IIP computerised Health Centre

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 19 Feb: In order to provide faster and quality services the Medical Health Centre of Indian Institute of Petroleum (IIP) has now been fully computerised. The computerised operations are through a versatile IT tool, the 'Arogya' software and were inaugurated by District Magistrate Dr Rakesh Kumar, today.

Being himself a medical doctor, he got himself familiarised with all features of the software with keen interest.

He inaugurated the IT facilities symbolically by making out a prescription using the software.

Speaking on the occasion, he congratulated IIP for taking the lead in utilising the immense capabilities of Information Technology to computerise the health services for the staff of the Institute. He said that efforts should be made to make available such facilities at all Health Centres, so as to keep a record of the patients' history. He said that the medicine inventory management feature of the software not only provided transparency but also helped to optimise the procurement of the medicine and their effective utilisation. He suggested some additional features to be incorporated in the software so as to derive information on epidemic diseases, etc. He added that the Institute tie up with the authorised hospitals so as to transmit the history of the chronic patients periodically in electronic form.

IIP Director Dr MO Garg stated that the software had been developed in-house by National Aerospace Laboratory, Bangalore, one of the laboratories of the CSIR without taking help from any IT organisation. While the software was being used in NAL for the last two years, this had been implemented at IIP only recently after its customisation. He congratulated IT personnel and medical staff of the Institute for their dedicated efforts in this regard.

Dr Lalita Bakaya and Dr Adarsh Kumar, Medical Officers of the Institute, gave a detailed demonstration of the features of the software. Dr Adarsh Kumar stated that Health Centres catered to the needs of about 1400 families and had an inventory of 1300 drugs. Describing the details of the IT facilities, he said a mini LAN with a server and five nodes has been installed in the dispensary, which has also been connected to the main LAN of the Institute. He elaborated the advantages of using the software. According to him, previous health records of all beneficiaries were accessible to the doctor and no searching is required; the doctor needed minimal keying as the software was very user friendly; it alerted the doctors about known allergies and chronic ailments of the patient; it helped in optimal inventory management as the stock position, expiry date and re-order value stock was continuously monitored and displayed; it could generate a number of reports depending upon requirement. It could also give an individual access to his or her health record at anytime, anywhere through a secure internet or intranet connection. The use of stationary had been considerably reduced as only the prescription and the referral slips were printed.

Dr Bakaya thanked the Director of NAL for providing the software free of cost and the NAL team consisting of IT personnel and medical officers for their efforts in customisation of the software.

आईआईपी का स्वास्थ्य केन्द्र हुआ हाईटैक

आरोग्य साफ्टवेयर से मिलेगी कई सुविधाएं : डीएम

देहरादून 19 फरवरी । आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र में तीव्रतर तथा गुणतापरक सेवाएं प्रदान करने के लिए अब इसे पूर्णतः कम्प्यूटीकृत कर लिया गया है। आरोग्य साफ्टवेयर सुविधा का उद्घाटन देहरादून के जिलाधिकारी, डा. राकेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया है। स्वयं चिकित्सक होने के नाते उन्होंने इस साफ्टवेयर की विशेषताओं में गहन अभिरूचि ली।

इस आईटी सुविधा का उदघाटन करते हुए उन्होंने साफ्टवेयर के माध्यम से नुस्खा भी जारी किया। इस अवसर पर उन्हांेन स्वास्थ्य सेवाओं मे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग करने की पहल के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस साफ्टवेयर का औषध प्रबन्धन न केवल पारदर्शी ही है बल्कि यह दवाईयों की खरीद तथा इसके प्रभावी उपयोग ने भी सहायक है। उन्होंने संक्रामक रोगों संबंधी सूचना प्राप्त करने के लिए साफ्टवेयर में आवश्यक सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये। संस्थान को अधिकृत अस्पतालों से असाध्य रोग के रोगियों की संबंधित जानकारी इलेक्ट्रोनिक माध्यम से भेजते रहना चाहिए। डा. एमओ गर्ग निदेशक भापेंस ने बताया कि इस साफ्टवेयर को सीएमआईआर की एक प्रयोगशाला, एनएएल बेंगलौर द्वारा बिना किसी आईटी संगठन की मदद से तैयार किया गया। उन्होंने आईटी कार्मिकों एवं चिकित्सा स्टाफ को इस समर्पित प्रयास के लिए बधाई दी।

संस्थान के चिकित्साधिकारियों डा. ललिता बकाया तथा डा. आदर्श कुमार ने साफ्टवेयर के संबंध में व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केन्द्र लगभग 1400 परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तथा इसमें 1300 से अधिक दवाईयों का संग्रह है। उन्होंने साफ्टवेयर संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि इससे रोगी का सम्पूर्ण अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है। यह अत्यंत प्रयोगतासह साफ्टवेयर है।

दवाईयों के स्टॉक संबंधी मॉनिटरम में सहायक है इसके माध्यम से संबंधित व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से भी अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसके उपयोग से लेखन सामग्री संबंधी-व्यय में भी कटौती होगी। डा. ललिता बकाया ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

द हिमाचल टाइम्स
20/2/08

Pg 6
i next
Dehradun, 20 February, 2008

आईआईपी में आरोग्य सॉफ्टवेयर

i-next reporter

DEHRADUN (19 Feb): आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र में तेज और गुणवत्तापरक सेवाएं प्रदान करने के लिए नए कम्प्यूटरीकृत आरोग्य सॉफ्टवेयर सुविधा का उद्घाटन मंगलवार को जिलाधिकारी डा. राकेश कुमार ने किया. उन्होंने इस मौके पर कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाने चाहिए. इस मौके पर आईआईपी के निदेशक डा. एमओ गर्ग ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर को सीएसआईआर की लैब एनएएल बंगलरू ने तैयार किया है. संस्थान के चिकित्साधिकारी डा. ललिता बकाया और डा. आदर्श कुमार ने सॉफ्टवेयर के संबंध में व्यापक जानकारी दी. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र लगभग 1400 परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तथा इसमें 1300 से अधिक दवाइयों का संग्रह है. उन्होंने सॉफ्टवेयर संबंधी अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है. इस मौके पर प्रमुख तकनीकी निदेशालय वीएन सैनी भी उपस्थित थे.

मंगलवार
देहरादून, 19 फरवरी, 2008
नगर संस्करण
वर्ष 11 अंक 356
पृष्ठ : 18
मूल्य : तीन रुपये

अमर उजाला

• आगरा • बरेली • मेरठ • मुरादाबाद • कानपुर • देहरादून • इलाहाबाद • झांसी • चंडीगढ़ • वाराणसी • जालंधर • नई दिल्ली • नैनीताल • जम्मू • धर्मशाला • अलीगढ़ • गोरखपुर

‘आरोग्य’ में होगी मेडिकल हिस्ट्री

देहरादून। भारतीय पेट्रोलियम संस्थान यानी आईआईपी कर्मियों की मेडिकल हिस्ट्री अब एक क्लिक में सामने होगी। इसके लिए ‘आरोग्य’ नाम का एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। इसके जरिए रोगी के मेडिकल जांच के साथ ही उनके नतीजे, दी जा रही दवाइयों और उनकी खरीद संबंधी तमाम जानकारी एक साथ सुरक्षित रखना संभव होगा। यह सॉफ्टवेयर संस्थान के मेडिकल एंड हेल्थ सेंटर में स्थापित किया गया है।

इस सेंटर के जरिए संस्थान के वर्तमान कर्मियों के साथ ही पेंशन पा रहे सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके आश्रितों की चिकित्सा-स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा किया जाता है। संस्थान के तकनीकी निदेशालय प्रमुख डॉक्टर वीरेंद्र सिंह सैनी के मुताबिक इससें कर्मियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं और तीव्र गति से मिलेंगी। डाक्टर सैनी के अनुसार यह सॉफ्टवेयर बंगलौर स्थित नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरी ने तैयार किया है। मेडिकल ऑफिसर्स और फार्मासिस्ट्स के लिए यह सॉफ्टवेयर विशेष रूप से लाभकारी होगा।

अमर उजाला

देहरादून, बुधवार, 20 फरवरी, 2008 18

आईआईपी का स्वास्थ्य केंद्र हुआ कंप्यूटरीकृत

देहरादून। भारतीय पेट्रोलियम संस्थान यानी आईआईपी का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र मंगलवार को कंप्यूटरीकृत हो गया। 'आरोग्य' नाम के इस सॉफ्टवेयर के जरिए स्वास्थ्य केंद्र की सेवाएं उठाने वाले 1400 परिवारों की मेडिकल हिस्ट्री रखी जाएगी। साथ ही 1300 से ज्यादा दवाईयों का संकलन मौजूद रहेगा। सॉफ्टवेयर को सीएसआईआर की बंगलूरू स्थित प्रयोगशाला एनएएल ने तैयार किया है।

पेज थ्री

आईआईपी का स्वास्थ्य केन्द्र हुआ हाईटेक

आरोग्य साफ्टवेयर से मिलेगी कई सुविधाएं : जिलाधिकारी

देहरादून 19 फरवरी। आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र में तीव्रतर तथा गुणतापरक सेवाएं प्रदान करने के लिए अब इसे पूर्णतः कम्प्यूटीकृत कर लिया गया है। आरोग्य साफ्टवेयर सुविधा का उद्घाटन देहरादून के जिलाधिकारी, डा. राकेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया है। स्वयं चिकित्सक होने के नाते उन्होंने इस साफ्ट्वेयर की विशेषताओं में गहन अभिरूचि ली।

इस आईटी सुविधा का उद्घाटन करते हुए उन्होंने साफ्टवेयर के माध्यम से नुस्खा भी जारी किया। इस अवसर पर उन्होंन स्वास्थ्य सेवाओं मे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग करने की पहल के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस साफ्टवेयर का औषध प्रबन्धन न केवल पारदर्शी ही है बल्कि यह दवाईयों की खरीद तथा इसके प्रभावी उपयोग ने भी सहायक है।

उन्होंने संक्रामक रोगों संबंधी सूचना प्राप्त करने के लिए साफ्टवेयर में आवश्यक सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये। संस्थान को अधिकृत अस्पतालों से असाध्य रोग के रोगियों की संबंधित जानकारी इलेक्ट्रोनिक माध्यम से भेजते रहना चाहिए। डा. एमओ गर्ग निदेशक भापेंस ने बताया कि इस साफ्टवेयर को सीएमआईआर की एक प्रयोगशाला, एनएएल बेंगलौर द्वारा बिना किसी आईटी संगठन की मदद से तैयार किया गया। उन्होंने आईटी कार्मिकों एवं चिकित्सा स्टाफ को इस समर्पित प्रयास के लिए बधाई दी।

संस्थान के चिकित्साधिकारियों डा. ललिता बकाया तथा डा. आदर्श कुमार ने साफ्टवेयर के संबंध में व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केन्द्र लगभग 1400 परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तथा इसमें 1300 से अधिक दवाईयों का संग्रह है। उन्होंने साफ्टवेयर संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि इससे रोगी का सम्पूर्ण अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है। यह अत्यंत प्रयोगतासह साफ्टवेयर है।

दवाईयों के स्टॉक संबंधी मॉनिटरम में सहायक है इसके माध्यम से संबंधित व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से भी अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसके उपयोग से लेखन सामग्री संबंधी व्यय में भी कटौती होगी। डा. ललिता बकाया ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

आईआईपी का स्वास्थ्य केंद्र हुआ कम्प्यूटरीकृत

देहरादून (नसं)। गुणतापरक सेवायें प्रदान करने के लिए आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र को पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत कर लिया गया है। आरोग्य सॉफटवेयर सुविधा का उद्घाटन जिलाधिकारी डा. राकेश कुमार ने किया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं में सूचना प्रोद्योगिकी के प्रयोग करने की पहल के लिए संस्थान को बधाई देने के साथ ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से नुस्खा भी जारी किया। उन्होंने कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रो में भी इस प्रकार की सुविधायें उपलब्ध कराने के प्रयास किए जानें चाहिए। जिलाधिकारी कुमार ने कहा कि इस सॉफ्टवेयर का औषध प्रबन्धन न केवल पारदर्शी ही है बल्कि यह दवाईयों की खरीद तथा इसके प्रभावी उपयोग में भी सहायक है। उन्होंने संक्रामक रोगों संबधी सूचना प्राप्त करने के लिए सॉफ्टवेयर में आवश्यक सुधार करने हेतु सुझाव भी दिए। भापेसं निदेशक डा. एमओ गर्ग ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर को सीएसआइआर की एक प्रयोगशाला, एनएएल बेंगलोर द्वारा बिना किसी आईटी संगठन की मदद से तैयार किया गया। संस्थान के चिकित्साधिकारियों डा. ललिता बकाया तथा डा. आदर्श कुमार ने सॉफ्टवेयर के संबंध में व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केंद्र लगभग 1400 परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि सॉफ्टवेयर के जरिए रोगी का सम्पूर्ण अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है। इसके माध्यम से संबंधित व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से भी अपनी स्वस्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकता है।

शाह टाइम्स
20/2/08

दून दर्पण

आईआईपी का स्वास्थ्य केन्द्र हुआ हाईटैक

संवाददाता

देहरादून १९ फरवरी । आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र में तीव्रतर तथा गुणतापरक सेवाएं प्रदान करने के लिए अब इसे पूर्णतः कम्प्यूटीकृत कर लिया गया है। आरोग्य साफ्टवेयर सुविधा का उद्घाटन देहरादून के जिलाधिकारी, डा. राकेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया है। स्वयं चिकित्सक होने के नाते उन्होंने इस साफ्टवेयर की विशेषताओं में गहन अभिरूचि ली।

इस आईटी सुविधा का उद्घाटन करते हुए उन्होंने साफ्टवेयर के माध्यम से नुस्खा भी जारी किया। इस अवसर पर उन्होंन स्वास्थ्य सेवाओं मे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग करने की पहल के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस साफ्टवेयर का औषध प्रबन्धन न केवल पारदर्शी ही है बल्कि यह दवाईयों की खरीद तथा इसके प्रभावी उपयोग ने भी सहायक है। उन्होंने संक्रामक रोगों संबंधी सूचना प्राप्त करने के लिए साफ्टवेयर में आवश्यक सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये। संस्थान को अधिकृत अस्पतालों से असाध्य रोग के रोगियों की संबंधित जानकारी इलेक्ट्रोनिक माध्यम से भेजते रहना चाहिए। डा.. एमओ गर्ग निदेशक भापेंस ने बताया कि इस साफ्टवेयर को सीएमआईआर की एक प्रयोगशाला, एनएएल बेंगलौर द्वारा बिना किसी आईटी संगठन की मद्द से तैयार किया गया।

संस्थान के चिकित्साधिकारियों डा. ललिता बकाया तथा डा. आदर्श कुमार ने साफ्टवेयर के संबंध में व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केन्द्र लगभग १४०० परिबारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तथा इसमें १३०० से अधिक दवाईयों का संग्रह है। उन्होंने साफ्टवेयर संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि इससे रोगी का सम्पूर्ण अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है। यह अत्यंत प्रयोगतासह साफ्टवेयर है।

संस्थापक- स्व० एस वासु

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक इकबाल वासु द्वारा दैनिक दून दर्पन प्रेस 2/1, कर्जन रोड, दे० दून से मुद्रित तथा 35, राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

संपादक - इकबाल वासु

मुख्यालय - 35, राजपुर रोड, देहरादून

दूरभाष (का०) 2653696, 2658300

कर्जन रोड़ (प्रेस) 2656686, 2713696

टेलीफैक्स - 0135-2656686

ब्यूरोज:- सहारनपुर, दिल्ली, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी, रुड़की, नई टिहरी।

दूरभाष : सहारनपुर: 2725655, ऋषिकेश-2430996, मसूरी-2630155

RNI पंजीयन संख्या 6619/61

डाक पंजीयन संख्या: डीएन (DN) 47

Email:-

doondarpan2004@yahoo.com

आईआईपी का स्वास्थ्य केन्द्र हुआ हाईटैक

आरोग्य साफ्टवेयर से मिलेगी कई सुविधाएं : डीएम

देहरादून। आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र में तीव्रतर तथा गुणतापरक सेवाएं प्रदान करने के लिए अब इसे पूर्णतः कम्प्यूटीकृत कर लिया गया है। आरोग्य साफ्टवेयर सुविधा का उद्घाटन देहरादून के जिलाधिकारी, डा. राकेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया है। स्वयं चिकित्सक होने के नाते उन्होंने इस साफ्टवेयर की विशेषताओं में गहन अभिरूचि ली।

इस आईटी सुविधा का उद्घाटन करते हुए उन्होंने साफ्टवेयर के माध्यम से नुस्खा भी जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं मे सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग करने की पहल के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस साफ्टवेयर का औषध प्रबन्धन न केवल पारदर्शी ही है बल्कि यह दवाईयों की खरीद तथा इसके प्रभावी उपयोग ने भी सहायक है। उन्होंने संक्रामक रोगां संबंधी सूचना प्राप्त करने के लिए साफ्टवेयर में आवश्यक सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये। संस्थान को अधिकृत अस्पतालों से असाध्य रोग के रोगियों की संबंधित जानकारी इलेक्ट्रोनिक माध्यम से भेजते रहना चाहिए। डा. एमओ गर्ग निदेशक भापेंस ने बताया कि इस साफ्टवेयर को सीएमआईआर की एक प्रयोगशाला, एनएएल बेंगलौर द्वारा बिना किसी आईटी संगठन की मदद से तैयार किया गया। उन्होंने आईटी कार्मिकों एवं चिकित्सा स्टाफ को इस समर्पित प्रयास के लिए बधाई दी।

संस्थान के चिकित्साधिकारियों डा. ललिता बकाया तथा डा. आदर्श कुमार ने साफ्टवेयर के संबंध में व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केन्द्र लगभग 1400 परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तथा इसमें 1300 से अधिक दवाईयों का संग्रह है। उन्होंने साफ्टवेयर संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि इससे रोगी का सम्पूर्ण अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है। यह अत्यंत प्रयोगतासह साफ्टवेयर है। दवाईयों के स्टॉक संबंधी मॉनिटरम में सहायक है इसके माध्यम से संबंधित व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से भी अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसके उपयोग से लेखन सामग्री संबंधी व्यय में भी कटौती होगी। डा. ललिता बकाया ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

बद्री विशाल
20/2/08

आईआईपी का चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र हुआ कम्प्यूटरीकृत

देहरादून, 19 फरवरी (कमल शर्मा) : आईआईपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र में तीव्रतर तथा गुणतापरक सेवायें प्रदान करने के लिए अब इसे पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत कर लिया गया है। आरोग्य सॉफ्टवेयर सुविधा का उद्घाटन देहरादून के जिलाधिकारी डा. राकेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। स्वयं चिकित्सक होने के नाते उन्होंने इस सॉफ्टवेयर की विशेषताओं में गहन अभिरूचि ली। इस आईटी सुविधा का उद्घाटन करते हुए उन्होंने सॉफ्टवेयर के माध्यम से नुस्खा भी जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग करने की पहल के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोगी के रोग के इतिहास के अभिलेख को रखने के लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में भी इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सॉफ्टवेयर का औषधि प्रबंधन न केवल पारदर्शी ही है बल्कि यह दवाईयों की खरीद तथा इसके प्रभावी उपयोग में भी आवश्यक है। संस्थान के चिकित्साधिकारियों डा. ललिता बकाया तथा डा. आदर्श कुमार ने सॉफ्टवेयर के संबंध में व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केन्द्र लगभग 1400 परिवारों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तथा इसमें 1300 से अधिक दवाईयों का संग्रह है। उन्होंने सॉफ्टवेयर संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि इससे रोगी का सम्पूर्ण अभिलेख चिकित्सक के समक्ष उपस्थित रहता है। यह अत्यंत प्रयोगात्मक सॉफ्टवेयर है।

अजीत समाचार
20/2/08